

वारिसनामा

यह पुराणीत करता हूँ कि श्रीबसुलाल
पुत्र श्री मालचन्द जाति ~~खीण निवासी~~
वर्ड नम्बर — की मृत्यु दिनांक —
को हो चुकी है। श्री बसुलाल
से निम्न जापज वारिस हैं: —

1. अमीचन्द पुत्र
2. उपागचन्द पुत्र
3. महावीरछाद-पुत्र

इसके अलावा इनके कोई वारिस नहीं है।



जदिए प्रथम पत्र कादीगण हाय विवेक
किया है कि कादीगण रथ दाया के
आगे नवी चलाता लाए है, कब
काज की चेकी मे की जग दाया
इसी स्टेज पर शवाजि कामाज कोपे।
कहल एक पक्षीप चुकी गई। पाची/कादी
का प्रथम पत्र स्वीकार किया जाना
आपोचिर होने के कारण स्वीकार
किया जाय है। बाद कादीगण इही
स्टेज पर शवाजि किया जाय है
प्रगावकी फैललशुआ मे कापिल
दफ्तर की जारी है।

क